बाइबल में यह जानना बहुत जरूरी है कि कानून (हेब्री: Torah या Mishpat) और सिद्धांत/आदेश (Hebrew: Chuqqah या Piqqudim) अलग हैं। ये जुड़े हुए जरूर हैं, लेकिन एक समान नहीं हैं।

कानून परमेश्वर की प्रत्यक्ष और बाध्यकारी आज्ञा है—यह नैतिक या धार्मिक कर्तव्य है जिसे निभाना अनिवार्य है।

सिद्धांत या आदेश, वे विस्तृत निर्देश हैं जो बताते हैं कि कानून का पालन कैसे करना है।

यह भेद हमें यह समझने में मदद करता है कि परमेश्वर हमसे क्या चाहता है और हम इसे सही तरीके से कैसे पूरा कर सकते हैं।

बाइबल का उदाहरण: पासओवर (पास्का)

निर्गमन 12 में परमेश्वर इस्राएलियों से पासओवर मनाने का आदेश देते हैं—यह कानून है। लेकिन इसके साथ-साथ वे यह भी बताते हैं कि इसे कैसे मनाया जाए—यही सिद्धांत हैं।

“इस महीने को तुम्हारे लिए महीनों का आरंभ मानना। यह
तुम्हारे वर्ष का पहला महीना होगा… इस महीने की दसवीं
तारीख को हर आदमी एक बकरा लेगा…”

(निर्गमन 12:2–3, हिंदी OV)

कानून: “तुम पासओवर मनाओ।”

सिद्धांत:

इसे महीने की 14वीं तारीख को मनाना।

बिना दोष वाला बकरा चुनना और बलिदान करना।

आग में भूनना।

कड़वी जड़ी-बूटियों और खमीर रहित रोटियों के साथ खाना।

ये नियम नए कानून नहीं हैं, बल्कि यह सुनिश्चित करते हैं कि एक

ही कानून सही तरीके से पालन हो।

“तुम इसे अपने और अपने बच्चों के लिए युग-युगान्तर तक पालन करोगे।”
(निर्गमन 12:24, हिंदी OV)

कानून और सिद्धांत का एकीकरण: गिनती 9:14

“तुम्हारे पास एक ही विधान होगा—आवासी और देशवासी दोनों के लिए, जो कोई भी इन में से कुछ करेगा।”
(गिनती 9:14, हिंदी OV)

यह स्पष्ट करता है कि कानून और सिद्धांत सभी पर लागू होते हैं—चाहे इस्राएली हो या विदेशी। परमेश्वर के आदेश का पालन केवल यह जानने से नहीं, बल्कि यह समझने से होता है कि उन्हें कैसे निभाना है।

नए नियम में अनुप्रयोग: मसीह का कानून

नए नियम में विश्वासियों पर मोशियाई कानून लागू नहीं है (गलातियों 3:24–25), बल्कि मसीह का कानून, जो प्रेम में सारांशित है, लागू है।

“क्योंकि सारा कानून एक ही वचन में पूरा होता है: ‘तुम अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करोगे।’”
(गलातियों 5:14, हिंदी OV)

लेकिन प्रेम के भी सिद्धांत होते हैं—ऐसे व्यवहारिक नियम जो यह बताते हैं कि सच्चा, परमेश्वर-केंद्रित प्रेम कैसा होता है।

“प्रेम धैर्यवान और दयालु है; प्रेम ईर्ष्या नहीं करता,
गर्व नहीं करता; यह अहंकारी या अशिष्ट नहीं होता…”
(1 कुरिन्थियों 13:4–5, हिंदी OV)

ये प्रेम के सिद्धांत हैं—निर्देश जो यह दिखाते हैं कि मसीह के कानून का पालन रोजमर्रा की ज़िन्दगी में कैसे करना है। प्रेम अस्पष्ट नहीं छोड़ा गया; शास्त्र हमें सिखाता है कि प्रेम कैसे करें।

बाइबल का पैटर्न: आदेश पर आदेश

परमेश्वर अपनी इच्छा को क्रमिक रूप से प्रकट करते हैं—कानून और उसके सिद्धांतों के माध्यम से।

“और यहोवा का वचन उन पर इस प्रकार होगा: आदेश पर आदेश, आदेश
पर आदेश, रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा, यहाँ थोड़ा, वहाँ
थोड़ा…”
(यशायाह 28:13, हिंदी OV)

यह पद दर्शाता है कि परमेश्वर हमें धीरे-धीरे सिखाते हैं, ताकि हमारी समझ समय के साथ विकसित हो।

कानून और सिद्धांत का अंतर समझने से हमारा परमेश्वर के साथ संबंध और गहरा होता है। कानून आदेश देता है; सिद्धांत उसका पालन करने का मार्ग दिखाते हैं। पुराने नियम से नए नियम तक, परमेश्वर चाहता है कि हमारी भक्ति केवल बाहरी न हो, बल्कि सोच-समझ और पूरे मन से हो।

आइए हम मसीह की आज्ञाओं और उन सिद्धांतों का अध्ययन करें, जो हमें दिखाते हैं कि उन्हें दैनिक जीवन में कैसे अपनाया जाए।

आओ, प्रभु यीशु! – प्रकाशितवाक्य 22:20

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp